

>

**Title: Regarding alleged misbehaviour of a Member of Parliament during proceedings of the House.**

**श्रीमती सुषमा रवराज (विदेशी):** उपाध्यक्ष महोदय जी, आज सदन में एक बहुत ही दुखदायी घटना हटी। आदरणीय जसवंत सिंह जी, मेरे बहुत ही विश्वास रहनेगी हैं और इस सदन के विषयतम सांसदों में उनकी जग्ना होती है। वे जब भी अपनी बात कहने के लिए खड़े होते हैं, बहुत ही शारीनता से अपनी बात रखते हैं। वे कभी भाषा का संयम नहीं खोते हैं और कभी आक्रमक नहीं होते हैं। वे जिस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, उससे संबंधित एक पृथक् उन्होंने आज शून्य प्रहर में उत्तरा और सुज्ञाव के रूप में एक बात रखी कि जो त्रिपक्षीय वार्ता गोरखा जन मुक्ति मोर्चा, राज्य सरकार और केन्द्रीय सरकार के बीच चल रही है, तगड़ा है कि वह राजनीतिक संवाद धरत हो गया है। ... (व्यवधान) वह संवाद पुनः प्रारंभ होना चाहिए। मात्र इतनी बात उन्होंने कही। उन्होंने परिषम बंगाल सरकार पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की और कर भी नहीं सकते क्योंकि उनकी नेता के साथ उनके बहुत रगेहित संबंध भी हैं। उन्होंने केवल अपनी बात सुज्ञाव के रूप में रखी। ... (व्यवधान) मुझे नहीं मालूम हमारे तृणमूल कांग्रेस के साथी उस पर क्यों उत्तेजित हो गए। हो भी सकते हैं। वे यह कह सकते थे कि हम उनके सुज्ञाव से असहमत हैं। वे यह भी कह सकते थे कि हमें उनका सुज्ञाव अमान्य है। वहां तक भी तीक था। ... (व्यवधान) तोकिन मुझे समझ नहीं आया कि उनके एक साथी सांसद जिनसे मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, श्री कल्याण बनर्जी, पहली बार आए हैं, जुझारु सांसद हैं, तोकिन वे गुरुसे में आपा खो बैठे और ऐसी हिंसक मुद्रा में इस तरफ बढ़े जैसे जसवंत सिंह जी को मारेंगे। ... (व्यवधान) उपाध्यक्ष जी, मैं कहना चाहती हूँ कि कल्याण जी का आत्मरण केवल अशोभनीय ही नहीं था, संसद की अरिमा के विपरीत भी था। मैं यहां खड़े होकर कह सकती हूँ कि उनकी नेता को भी वह परसंद नहीं आया होगा। Ms. Mamata Banerjee will never endorse that behaviour of yours towards Jaswant Singhji. इसलिए मैं आपसे कहना चाहती हूँ कि कल्याण दा, आप एक बार खड़े होकर अपने उस आत्मरण के लिए खेद व्यक्त कर दीजिए। जसवंत सिंह जी जैसे सम्मानित सांसद के प्रति आपका वह आत्मरण शोभा नहीं देता। उसके बाद सदन चले।

कल भी एक घटना घटी थी जब डा. जोशी के साथ अभद्र व्यवहार किया गया था। मंत्री जी तक ने खड़े होकर अपना शब्द वापिस ते लिया था और संसद चली थी। मैं आपसे अनुशोध करती हूँ कि आप खड़े हों और जो आचरण आपने जसवंत सिंह जी के प्रति किया, उसके लिए खेद प्रकट करें और उसके बाद सदन चलें। यह मेरी आपसे दरख़वास्त है, यह मेरा आपसे निवेदन है।

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Mr. Deputy Speaker Sir, it is such a national issue. â€œ! (*Interruptions*) He has raised it in a very casual way at the time of Zero Hour. It is a very burning issue in West Bengal. It is going on. Is this the way such casually it can be raised? ...(*Interruptions*) Madam, I must tell you that immediately after this issue, I communicated it to my leader. And my leader has not disapproved my behaviour because I am fighting for my State. I will go on fighting. ...(*Interruptions*) If anybody wants to divide the State to create a separate State of Gorkhaland, directly or indirectly, for his interest or Party's interest, we are not going to tolerate it and we would go till the end to fight for united West Bengal. Any Member, whether it is Senior Member or anyone, if his sentiment is hurt, I regret. ...(*Interruptions*)

At the same time, I would like to tell you that we are not going to compromise with the issue of Gorkhaland. If anybody directly or indirectly tries to bifurcate West Bengal, we will not allow. Sushma ji, I consider you as my elder sister. I had communicated to my leader and my leader has not disapproved my behaviour because the way things are going on and the attempts are going on to break West Bengal, we are not going to allow. ...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: He has expressed the regret. The matter is over.